वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 286 | मंगलवार 13 फरवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर रिंग रोड फेज-2 के लिए 5 हजार करोड़ रुपए की मंजूरी

जोधपुर एलिवेटेड रोड को भी मिली हरी झंडी। राजमार्गों के विकास से राजस्थान में औद्योगिक विकास को मिलेगी गति। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री। डबल इंजन की सरकार से प्रदेश की प्रगति हुई चौगुनी: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

2500 करोड़ रुपये से अधिक की 17 सड़क परियोजनाओं का हुआ लोकार्पण-शिलान्यास

जयपुर. शाबाश इंडिया

केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जयपुर रिंगरोड के द्वितीय चरण के लिए 5 हजार करोड़ की मंजूरी देने की घोषणा की है। रिंग रोड परियोजना के अंतर्गत 92 किलोमीटर के 6 लेन ग्रीनफील्ड हाईवे का काम 3 महीने में प्रारम्भ किया जाएगा। गडकरी सोमवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में उदयपुर में 2500 करोड़ रूपए से अधिक की लागत की 17 सड़क परियोजनाओं के लोकार्पण-शिलान्यास समारोह सहित विभिन्न कार्यक्रमों में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर जोधपुर एलिवेटेड रोड परियोजना को मंजूरी देने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि राजस्थान में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास से यहां के सीमेंट, मार्बल और अन्य उद्योगों का तेजी से विकास होगा और राज्य प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुएगा। गडकरी ने कहा कि राज्य सरकार राजस्थान को रेलवे फाटक मुक्त बनाने की दिशा में योजना तैयार करे, केन्द्र सरकार इसमें पूरी मदद करेगी। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में हमें प्रदूषण फैलाने वाले परंपरागत ईंधन को छोड़कर बॉयो-डीजल जैसे वैकल्पिक ईंधन को अपनाने की आवश्यकता है। इसी क्रम में शीघ्र ही दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस-वे हाईवे पर इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी। इन बसों में यात्रा सुविधाजनक होगी और किराया डीजल बसों की तुलना में 30 फीसदी कम होगा। उन्होंने कहा कि जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर किशनगढ़ से दिल्ली के बीच मरम्मत का कार्य 1500 करोड़ रुपये की लागत से करवाया जा रहा है। यह कार्य जून, 2024 तक पूरा हो जाएगा। जयपुर-धौलपुर वाया कोथून-लालसोट-करौली की 93 किमी. लम्बी सड़क का कार्य 150 करोड़ रुपए की लागत से करवाया जा रहा है, जो जून-2024 तक पूरा हो जाएगा। इसी प्रकार 2000 करोड़ रुपए की लागत से 105 किमी के जोधपुर रिंग रोड का कार्य भी शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। गडकरी ने कहा कि शहरी क्षेत्र की तरह ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में भी आर्थिक प्रगति होनी चाहिए, इसलिए केंद्र सरकार जनजातीय क्षेत्रों में भी सड़क तंत्र के विकास और सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि उदयपुर में 900 करोड़ रुपए की लागत से 23 किलोमीटर के 6 लेन बाईपास ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे का निर्माण पूरा होने से उदयपुर शहर को अहमदाबाद जाने वाले ट्रेफिक के दबाव से निजात मिली है। उन्होंने कहा कि उदयपुर-चितौडगढ़ हाईवे का काम पूरा होने से भी आवागमन में राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि नाथद्वारा-चारभुजा वाया हल्दीघाटी, कुम्भलगढ़ 2 लेन सड़क, देवल-डूंगरपुर-सागवाड़ा सड़क का कार्य भी 2024 में पूरा हो जाएगा। करीब 800 करोड़ रुपए की लागत से ब्यावर-गोमती 4 लेन हाईवे का कार्य जून-2024 तक पूरा हो जाएगा। जालोर-सांडेराव 41 किमी सड़क का कार्य 411 करोड़ रुपए की लागत से दिसम्बर-2024 तक पूरा करवा लिया जाएगा। इसी प्रकार झालावाड़-उज्जैन 134 किमी सड़क, गंगानगर-रायसिंहनगर की 102 किमी सड़क एवं बाड़मेर-गागरिया 70 किमी 2 लेन सड़क का कार्य 2024 में पूरा हो जाएगा। अजमेर-नागौर सड़क पर 255 करोड़ रुपए की लागत से 4 बाईपास का निर्माण सहित उन्नयन कार्य भी 2024 तक पूरा कर लिया जाएगा।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे से प्रदेश में औद्योगिक विकास को मिलेगी गति

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और प्रदेश 21वीं सदी की ओर अग्रसर है। डबल इंजन की सरकार से प्रदेश में विकास की गति चौगुनी हुई है। उन्होंने कहा कि 2500 करोड़ रुपए से अधिक की सड़कों एवं राजमार्गों के लोकार्पण एवं शिलान्यास से प्रदेश का सड़क तंत्र सुदृढ़ होगा। मुख्यमंत्री ने गडकरी को जयपुर की रिंग रोड के द्वितीय फेज स्वीकृत करने के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही उन्होंने केंद्रीय मंत्री को अलवर, भरतपुर, सांचौर एवं टोंक जिलों में आरओबी स्वीकृत करने के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पूरा होने से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आर्थिक राजधानी मुंबई से प्रदेश की दूरी कम होगी। इससे प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति मिलेगी और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि जयपुर-बांसवाड़ा- रतलाम हाईवे के निर्माण से प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र तो विकसित होगा ही साथ ही, खनन उद्योग को भी गति मिलेगी। शर्मा ने कहा कि किसी भी प्रदेश की प्रगति की राह सड़कों से होकर ही जाती है। इसी सोच को ध्यान में रखकर राज्य सरकार स्टेट हाईवे और अन्य सड़कों के उन्नयन निर्माण और विकास कार्यों पर प्राथमिकता से कार्य कर रही है। उप मुख्यमंत्री एवं सार्वजनिक निर्माण मंत्री श्रीमती दिया कुमारी ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने सड़कों के निर्माण और उन्नयन में क्षेत्रीय असंतुलन पैदा किया। इस भेदभाव का निदान करने के लिए हमारी सरकार ने स्टेट रोड फंड में 1500 करोड़ रुपए का अतिरिक्त प्रावधान किया है।

राष्ट्रवादी जैन संगठन द्वारा निशुल्क चिकित्सा शिविर एवम रक्तदान शिविर का आयोजन

शिविर में 63 यूनिट रक्त एकत्र

जयपुर। प्रदीप जैन एवं गोपाल छीपा की 29 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर राष्ट्रवादी जैन संगठन एवं प्रदीप गोपाल स्मृति न्यास के तत्वावधान में रक्तदान शिविर, मेडिकल जांच शिविर एवम स्वास्थ्य सेमिनार का प्रभावी आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय किसान महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष बद्रीनारायण चौधरी ने की एवम विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय प्रकाशन समूह सेवा भारती के राष्ट्रीय प्रमुख मूलचंद सोनी रहे। इन्होंने प्रदीप जी एवम गोपाल जी के जीवन पर बहुत ही भावपूर्ण उद्बोधन दिया। इस कार्यक्रम में जैन समाज की चिंताओं को भी संघ के वरिष्ठ अधिकारियो के समक्ष रखा। मुख्य वक्ता हेमंत सेठिया सह प्रांत संघचालक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने बहुत ही सरलता एवम विद्वता से दिए गए अपने उद्बोधन से ना केवल सबको संतुष्ट किया अपितु सभी लोग काफी प्रभावित होकर भी गए। डॉ.पशुपतिनाथ शर्मा ने बताया कि हम प्राचीन विज्ञान के साथ केसे सीधे सरल तरीके अपनाकर अपने जीवन को सफल एवम श्रेष्ठ बना सकते है। डॉ.खुशबू बिश्नोई ने आहार एवम जीवन शेली मे जो हम गलतियों कर रहे है उनके बारे में हमारा ध्यान आकर्षित किया। डॉ. आशीष गुप्ता न्यूरोलॉजिस्ट, डॉ. कौशल गोयल मूत्र रोग विशेषज्ञ,डॉ. हेमंत हृदय रोग विशेषज्ञ, डॉ. चंचल फिजिशियन, डॉक्टर गरिमा अग्रवाल नेत्र विशेषज्ञ, डॉ. विष्णु गुप्ता दंत रोग विशेषज्ञ, डॉ.मेघा गुप्ता स्त्री एवं प्रस्तुति प्रसूता रोग, डॉ. अंकित जांगिड़ हड्डी रोग विशेषज्ञ और फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. अदिति अग्रवाल मनोरोग विशेषज्ञ इत्यादि चिकित्सकों ने अपनी सेवाओं से सबको लाभान्वित किया। रक्तदान शिविर में भी 63 यूनिट रक्त का संग्रह हुआ। सभी रक्तदाताओ को यातायात अवेयरनेस कार्यक्रम के अंतर्गत एक आई एस आई मार्का हेलमेट भेट किया। कार्यक्रम समापन पर आभार पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर चोमू बाग के मंत्री पारस जैन ने किया एवं उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारियों के सामने स्पष्ट किया कि समस्त चोमू बाग जैन समाज राष्ट्र हित के लिए एवम हिन्दुत्व के लिए पुरी एकजुटता के साथ खड़ा है एवम आगे भी जब भी आवश्यकता होगी हम इसी तरह तैयार रहेंगे।

आया बसंत छाया बसंत....

उस फैली हरियाली में,
कौन उमंग से खेल रही
वह अपनी वय-बाली में
सजा हृदय की थाली में
क्रीड़ा, कौतूहल, कोमलता,
मोद, मधुरिमा, हास, विलास,
लीला, विस्मय, अस्फुटता, भय,
स्नेह, पुलक, सुख, सरल-हुलास

वसंत उत्सव के आगमन का प्रतीक है बसंत पंचमी। पौराणिक कथाओं के अनुसार इसी दिन भगवान ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना की थी। यह त्योहार माघ महीने के अंत में मनाया जाता है जो जनवरी के अंत और फरवरी की शुरूआत में होता है। हिंदू धर्म में बसंत पंचमी के पर्व का विशेष महत्व है. इस दिन मां सरस्वती की पूजा की जाती है। एक धार्मिक मान्यता के अनुसार माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को विद्या, ज्ञान, साहित्य, कला, और संगीत की देवी मां सरस्वती का जन्म हुआ था।

फोटो फीचर: राकेश शर्मा 'राजदीप'

पंडित रविंद्र आचार्य ने वृंदावन में प्रेमानंद महाराज से भेंट की

वृंदावन. शाबाश इंडिया

प्रेमानंद महाराज ने श्रीजी की माला पहनाकर, शॉल ओढाकर, राधा रानी का प्रसाद देकर सम्मान किया। सम्मान पाकर मन बहुत प्रसन्न हुआ, कई धार्मिक बातों पर चर्चा हुई प्रेमानंद महाराज को बाबा श्याम का दुपट्टा शाल, मेरे द्वारा लिखित ज्योतिष सार संग्रह पुस्तक, रविंद्र हस्तरेखा पुस्तक भेंट कर,महाराज श्री का आशीर्वाद लिया। महाराज श्री ने कहा कि आप जनकल्याण के लिए लोगों का मार्गदर्शन करते रहिए, राधा रानी की कृपा आप पर बनी रहेगी महाराज श्री के दर्शन करके मन प्रसन्न हुआ साथ में अभिषेक गोस्वामी, बांके बिहारी मंदिर के पुजारी सुशील गोस्वामी, यज्ञाचार्य पंडित हरिओम महाराज, दीनदयाल गोस्वामी, सुमित स्वामी, अखिलेश स्वामी, सुनील दाधीच आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

परोपकार और पुरूषार्थ करने वाला इंसान मानव भव को सार्थक बना सकता है : दिव्यप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। संसार में सर्वश्रेष्ठ भव है मानव भव। सोमवार पुराना आजाद नगर जैन स्थानक में उपप्रवर्तनी डॉ दिव्यप्रभा ने आयोजित धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि संसार में मनुष्य भव मिलना अत्यंत दुर्लभ है फिर भी इंसान मानव योनी को प्राप्त करने बाद जीवन में पुरूषार्थ और परोपकार नहीं करता है और राग-द्वेष और मोह-माया मे जीवन को व्यतित करने वाला मनुष्य अपनी आत्मा को संसार मे जन्म और मृत्यु के फेरो से बाहर नहीं निकाल पाएगा। वही मनुष्य संसार से आत्मा को बाहर निकाल सकता है जो संसार की नश्वरता और मोह माया का त्याग करता तो वह मानव भव सार्थक बनाकर हमेशा केलिए जन्म मरण से अपनी आत्मा को मुक्ति दिलवा पाएगा। इसदौरान साध्वी निरूपमा साध्वी आर्याश्री ने फरमाया की इंसान दिन और रात धनदौलत के पीछे भागता है परन्तु अंत समय अपने साथ एक फुटी कोड़ी भी कौई भी नहीं ले जा सकता है। सुनिल चपलोत ने जानकारी देतें हुए बताया धर्मसभा में नरेन्द्र भंडारी,नरेन्द्रलोढ़ा विरेन्द्र भंडारी, चांदमल आंचलिया,हिम्मतसिंह मुड़िया ,प्रवीण कोठारी आदि पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। मंगलवार को साध्वी मंडल आजाद नगर से विहार करके बापूनगर में चंद्रसिंह ढ़ाबरिया के निवास स्थान पर आयोजित धर्मसभा को सम्बोधित करेंगे।

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल क्लब द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

68 यूनिट रक्त एकत्र किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्रीमती आशा शाह मेमोरियल चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल क्लब द्वारा भी सहभागिता निभाई गयी व पूरा समय व श्रम दान दिया। उक्त शिविर में स्पार्कल क्लब की अध्यक्ष लॉयन रानी पाटनी, कोषाध्यक्ष मंजू पूरी, विजया कोठारी, मृदुला जैन, स्नेह लता जैन, व आशा जैन उपस्थित रही। शिविर में 68 यूनिट रक्त एकत्र हुआ। रानी पाटनी के पुत्र व पुत्रवधु ने व आशा जैन के पुत्र ने रक्तदान किया। रानी पाटनी द्वारा संस्था में 11000/- का अनुदान दिया गया।

जयपुर व्यापार महासंघ का प्रतिनिधिमंडल उप मुख्यमंत्री डा.प्रेम चंद बेरवा से मिला

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर व्यापार महासंघ का एक प्रतिनिधिमंडल आज राजस्थान के उप मुख्यमंत्री डा.प्रेम चंद बेरवा से उनके निवास स्थान पर मिला व जयपुर विशेषकर चारदीवारी के व्यापारियों की समस्याओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल ,महामंत्री सुरेन्द्र बज, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश सैनी ने उप मुख्यमंत्री को परकोटे के अंदर ई रिक्शा की आवश्यकता से बहुत ज्यादा संख्या, चार दीवारी के बाजारों में रेहड़ी ठेले व नॉन ब्रैंडेड जोन में अतिक्रमण की समस्या ,रामनिवास बाग पार्किंग को व्यवस्थित रूप से चालू करते हुए अंडर ग्राउंड सब -वे द्वारा संजय बाजार रूई मंडी व रामलीला मैदान से जोड़ने की आवश्यकता सहित विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करते हुए उन्हें जयपुर व्यापार महासंघ द्वारा इन समस्याओं पर आगामी 15 फरवरी को बड़ी चौपड़ पर सांकेतिक धरने की जानकारी दी व उन्हें समस्याओं के संबंध में ज्ञापन दिया गया। उप मुख्यमंत्री ने सभी समस्याओं को ध्यान से सुना व प्रतिनिधिमंडल को सभी समस्याओं के शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया । जयपुर व्यापार महासंघ की अत्यावश्यक मिटिंग राजस्थान चेम्बर भवन एम आई रोड सभा भवन में दिनांक 13 फरवरी को दोपहर 12.30 स्ने पर रखी गयी है। जिसमें सदस्य बाजारो के अध्यक्ष महामंत्री व विशेष आमंत्रित सदस्य भाग लेंगे ।धरने के संयोजक कैलाश मित्तल ने बताया कि व्यापारीयों की समस्याओं पर सरकार व प्रशासन के ध्यानाकर्षण हेतु बड़ी चोपड पर 15 फरवरी को 2 घण्टे का सांकेतिक धरना दिया जाएगा।

वेद ज्ञान

तुलना इरादों को मजबूत बनाती है

अपनी किसी और से तथा किसी और की किसी से तुलना इंसानी व्यवहार का सामान्य लक्षण है। इसे लेकर दो विचार हैं, पहला तुलना करने को ठीक मानता है जबकि दूसरा किसी भी प्रकार की तुलना को उचित नहीं मानता है। दोनों के अपने-अपने तर्क हैं। यूं तो तुलना करना खराब आदत नहीं है। यह जीवन में प्रतिस्पर्धा बढ़ाती है जो प्रगति के लिए जरूरी है। तुलना प्रेरणा का स्नोत भी है। अपने से बेहतर चीजों को देखकर लोग स्वयं में सुधार करने लग जाते हैं। पढ़ाई और खेल में अपने प्रतिद्वंद्वी से तुलना प्रतिस्पर्धा की भावना को जगाती है। नौकरी और व्यवसाय में भी इर्द-गिर्द लोगों को देखकर इंसान तरक्की की ओर उन्मुख होता है। कभी-कभी अपने स्वास्थ्य को लेकर की गई तुलना इरादों को मजबूत ही बनाती है और बेहतर स्वास्थ्य वाले लोगों को देखकर इंसान स्वयं को ठीक करने मे लग जाता है। किसी बीमारी से उबरने के लिए भी ऐसे लोगों के उदाहरण उपयोगी होते हैं जिन्होंने किसी बीमारी से लड़ने में कामयाबी पाई हो। कुछ लोग तो तुलना करके वजन तक घटाने का चमत्कार कर डालते हैं। किसी खराब आदत को छोड़ने के लिए भी हम ऐसे लोगों से प्रेरित हो जाते हैं जिन्होंने मिसाल कायम की होती है। फर्क इस बात से पड़ता है कि तुलना का उद्देश्य क्या है? यदि उद्देश्य सुधार है तो तुलना मे कोई हर्ज नहीं है। तुलना से हानि का संबंध इंसान के हौसले को लेकर है। कमजोर हौसला रखने वाले तुलना से हतोत्साहित भी हो सकते हैं। अपने से बेहतर स्थितियां किसी को ऊर्जा प्रदान करती हैं तो किसी को हीनता। जरूरी नहीं कि हर इंसान प्रतियोगिता के माहौल में सहज ही महसूस करे। कोई व्यक्ति अपने से बेहतर लोगो के बीच रहकर उनसे कुछ सीखता है तो कोई अपने से निम्नतर के बीच रहकर खुश रहता है। इसलिए तुलना का असर व्यक्ति पर निर्भर करता है। तुलना केवल उन्हीं के लिए ठीक है जो उससे प्रेरित होते हैं। जिनके जीवन की शांति इससे भंग होती है उन्हें इधर-उधर की तुलना से बचना ही चाहिए, क्योंकि तुलना बेचैनी का भाव तो लाती ही है जिससे निपटना प्रत्येक के बस की बात नहीं है।

संपादकीय

रेलवे को 'अपनी संपत्ति' समझने वाले 'दबंगों' पर नियंत्रण जरूरी

यह समझना मुश्किल है कि हमारे देश में क्या इतने कम पढ़े-लिखे और नासमझ लोग हैं कि उन्हें महिलाओं के लिए आरक्षित रेल के डिब्बों और कूपों की पहचान करने में मुश्किल होती है और वे उसमें सफर करने लगते हैं। ऐसा भी नहीं माना जा सकता कि ऐसे डिब्बों में सफर करते हुए उन्हें कोई टोकता न होगा। फिर भी अगर लोग महिलाओं के लिए आरक्षित डिब्बों या कूपों में सफर करने की ढिठाई करते हैं, तो जाहिर है उनकी प्रवृत्ति आपराधिक ही हो सकती है। सूचनाधिकार कानून के तहत मांगी गई एक जानकारी से पता चला है कि पिछले पांच वर्षों में महिला डिब्बों और कूपों में सफर करते हुए तीन लाख के अधिक पुरुषों को गिरफ्तार किया गया। सबसे अधिक पश्चिम रेलवे में ऐसे लोग पकड़े गए। इससे यही जाहिर होता है यह प्रवृत्ति आम है। कुछ मामलों में तो माना जा सकता है कि कम पढ़े-लिखे लोग महिला डिब्बे की पहचान न कर पाने की वजह से, गलती से उनमें चढ़ गए होंगे और जब उन्हें इसका बोध कराया गया होगा, तो गाड़ी के चल देने की वजह से उतर नहीं पाए और पकड़े गए होंगे। मगर औसतन वर्ष भर में साठ हजार लोग ऐसे नहीं हो सकते। दरअसल, रेलवे को 'अपनी संपत्ति' समझने वाले 'दबंगों' की कमी नहीं है। ऐसे लोग तो टिकट तक लेना जरूरी नहीं समझते और किसी भी डिब्बे में सवार होकर सफर पर निकल पड़ते हैं। इनमें बहुत सारे ऐसे मुसाफिर होते हैं,

जो नौकरी या कारोबार के सिलसिले में एक शहर से दूसरे शहर तक रोज आवाजाही करते हैं। उनके लिए पूरी रेल ही खुली जगह है और उसमें कहीं भी कब्जा जमा लेना वे अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझते हैं। टिकट लेकर सफर करने वाले मुसाफिरों को अक्सर ऐसे लोगों की बत्तमीजियों का सामना करना पड़ता है। फिर, भला ऐसे लोगों से महिलाओं के लिए आरक्षित डिब्बों या कूपों में सफर न करने की सलाहियत की कितनी उम्मीद की जा सकती है। अच्छी बात है कि रेलवे आरक्षी बल ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कदम उठाता है, मगर इतने भर से रेलों में महिला सुरक्षा का भरोसा पैदा नहीं होता।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

नफरती सोच

अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों के खिलाफ नफरती हिंसा की घटनाएं बढ़ रही हैं। इस नए शुरू हुए वर्ष में अब तक पांच भारतीय हिंसा का शिकार हो चुके हैं। ताजा घटना वाशिंगटन शहर की है, जहां एक संदिग्ध अमेरिकी नागरिक ने भारतीय मूल के एक व्यक्ति पर हमला किया, जिससे उसके सिर में चोट आई और तमाम प्रयासों के बाद भी उसे बचाया न जा सका। बीते एक वर्ष में अमेरिका में भारतीय मूल के पांच सौ बीस लोगों के साथ नफरती हिंसा की घटनाएं हो चुकी हैं। यह इसके पहले के साल की तुलना में करीब चालीस फीसद अधिक है। हिंसा के शिकार लोगों में हर श्रेणी के हैं, छात्र भी, वहां नौकरी कर रहे या फिर बस गए लोग भी। अमेरिका में नस्ली हिंसा कोई नई बात नहीं है। मगर पिछले दो वर्षों से जिस तरह भारतीय मूल के लोगों को निशाना बना कर हमले किए जा रहे हैं, उसकी कुछ और ही वजहें हैं। कई मामलों में वहां के सुरक्षाकर्मी भी किसी छात्र या लड़की को धक्का मार कर उसका उपहास उड़ाते और उसकी पीड़ा को आनंद लेते देखे गए। वहां रह रहे भारतीयों का कहना है कि डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद भारतीय मूल के लोगों के खिलाफ नफरती हिंसा बढ़ी है। गौरतलब है कि ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार में अमेरिकी युवाओं का आह्वान किया था कि बाहरी लोग आकर उनका हक छीन रहे हैं, वे सत्ता में आएंगे तो उनका हक दिलाएंगे। उन्हें इसका लाभ भी मिला था। आज भी उन्हें अमेरिकी युवाओं का अपार समर्थन है। अमेरिका के छह में से पांच राज्यों में ट्रंप आज भी जो बाइडेन से आगे हैं। अमेरिकी युवाओं को लगता है कि भारतीय मूल के लोग अमेरिका पर कब्जा करना चाहते हैं। उन्हें यह भी लगता है कि जो बाइडेन सरकार भारतीयों को ज्यादा तरजीह देती है। इसलिए भी कि बाइडेन ने अपनी सरकार में करीब एक सौ तीस महत्त्वपूर्ण पदों पर भारतीय मूल के लोगों को नियुक्त किया है। वहां की विभिन्न कंपनियों और विभागों में भी भारतीय मूल के लोग शीर्ष या महत्त्वपूर्ण पदों पर हैं। इस तरह वहां के युवा बाइडेन सरकार के भी खिलाफ हैं। उन युवाओं की इस धारणा को बढ़ावा देने और उन्हें उकसाने में वहां के कुछ अखबार और टीवी चैनल भी भरपूर मदद कर रहे हैं। वे भारतीय मूल के लोगों के खिलाफ लगातार लिखते-दिखाते रहते हैं। दुनिया भर में लोकतंत्र की दुहाई देने वाले अमेरिका की हकीकत यह है कि वह भारत जैसे देशों से वहां पढ़ने, रोजगार के लिए गए या फिर कारोबार कर रहे, बस गए लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पा रहा। नस्ली हिंसा पर काबू पाना आज भी उसके लिए चुनौती है। हालांकि अमेरिका की कुल आबादी में भारतीय मूल के लोगों की हिस्सेदारी महज एक फीसद है, पर वे आयकर के रूप में छह फीसद का योगदान करते हैं। इसलिए कि भारतीय मूल के लोगों की वार्षिक औसत आय अमेरिकी मूल के लोगों की वार्षिक औसत आय से अधिक है। यही बात अमेरिकी लोगों को पच नहीं पा रही। ट्रंप ने अमेरिकी युवाओं के इस असंतोष को अपना सियासी हथियार बनाया और अब वह घातक साबित हो रहा है। अगर अमेरिकी सरकार ने जल्दी इस समस्या का कोई समाधान नहीं निकाला, तो न केवल उसे कुशल भारतीयों के योगदान से वंचित रहना, बल्कि भारी आर्थिक नुकसान भी झेलना पड़ेगा।

पानी अमूल्य है, उसे बेचा नहीं, बांटा जाता है: आर्यिका रत्न विज्ञान मति जी माताजी

84 फिट ऊंचे भगवान आदिनाथ के हुए मस्तकाभिषेक

दीपक प्रधान. शाबाश इंडिया

बड़वानी। पानी अमूल्य है उसे अनावश्यक मत बहाइए,पानी की टंकियों में भरने के बाद लाखो लिटर पानी आप लोग बहा देते हो जिससे पानी में रहने वाले जीव और नालियों में पल रहे जीव भी मर जाते है अतः उस पाप से बचो और पानी बचा कर देश सेवा का भी कार्य हो जाता है ।पानी फ्री में बांटने की चीज है पर आजकल पानी बेचा जा रहा है उक्त उद्गार दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र बावनगजा जी पर लगने वाले वार्षिक मेले और मस्तकाभिषेक के पूर्व आर्यिका रत्न विज्ञान मति जी माताजी ने विशाल धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा, माताजी ने कहा की देश के बड़े नेता, अधिकारी, मंत्री बड़े बड़े कार्यक्रम करके के पानी बचाओ देश बचाओ, जल है तो जीवन है का संदेश देते है उसमे हम भी सहयोग करे, माताजी ने उपस्थित श्रावको को कहा की आज भगवान के मस्तकाभिषेक के दिन आप सभी ये नियम लेकर जाओ की जिस दिन टंकी से पानी बहेगा हम उस दिन नमक नही खायेंगे, बस उसी दिन से पानी का अपव्यय बच जायेगा और धर्म भी हो जायेगा,राष्ट्र की सेवा भी हो जाएगी, माताजी के प्रवचन के पूर्व तलहटी से एक विशाल शोभा यात्रा बड़े बाबा के चरणों तक पहुंची शोभा यात्रा में सभी पुण्यार्जक परिवार को बग्गियों में बैठा कर निमाड़ महिला मंडल की सदस्य अपने सर पर मंगल कलश लिए, युवा वर्ग और पुरुष पांच रंगो के झंडे लेकर भगवान के जय कारे लगाते हुए झूमते हुए बैंड की धुन के साथ चल रहे थे बड़े बाबा के पास तलहटी में पहुंचने पर ट्रस्ट कमेटी और मेला संयोजक अध्यक्ष विनोद दोशी के नेतृत्व में माताजी के संघ को श्रीफल भेंट कर कार्यक्रम में अपना सानिध्य देने के लिए निमंत्रण दिया । माताजी से कार्यक्रम को प्रारंभ करने की स्वीकृति के बाद प्रतिष्ठाचार्य शुभम भैया के मंत्रोच्चार और संगीतकार विद्यापूर्ण म्यूजिकल ग्रुप बड़वाह कमल जैन पार्टी के सुमधुर भजनों के बीच विमला देवी बिलाला परिवार इंदौर, बड़नगर परिवार ने ध्वजारोहण किया। मंगलाचरण शुभम भैया ,कमल भैया ने किया ।भगवान आदिनाथ के चित्र का अनावरण और दीप प्रज्वलन आज के सभी पुण्यार्जक परिवार, ट्रस्ट के सम्मानित सदस्य और मेला कमेटी ने किया ।स्वागत भाषण ट्रस्ट कमेटी और मेला संयोजक डॉक्टर निलेश रांवका ने किया । निमाड़ महिला मंडल की रूपाली काला बड़वानी ने स्वागत गान प्रस्तुत किया ,उसके पश्चात सभी पुण्यार्जक परिवार का सम्मान ट्रस्ट कमेटी के सदस्य और मेला संयोजक ने किया पुण्यार्जक परिवार में विमला देवी बिलाला इंदौर, परिवार,सुरेश चंद काला बड़वानी परिवार ,महेंद्र बड़जातिया इंदौर,अशोक रानी दोशी इंदौर,आजाद कुमार रवि देवी इंदौर,सावन कुमार,संजय कुमार धामनोद,दिनेश तारादेवी गुजरात,महेंद्र सुनीता पाटनी मनावर ,उसके बाद ट्रस्ट अध्यक्ष विनोद दोशी ने अध्यक्षीय उद्बोधन दिया और पधारे सभी लोगो और सभी सहयोगियों का धन्यवाद और आभार ज्ञापित किया,साधारण सभा की कार्यवाही पूर्व महामंत्री राजप्रकाश पहाड़िया ने की और बताया की इस वर्ष बावनगजा में जैन छात्रावास 24 बच्चो से प्रारंभ कर देंगे जिसका की पूरा खर्च हरसूख स्कूल और बावनगजा ट्रस्ट वहन करेगा ।माताजी को शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य दोशी परिवार बाकानेर मंजू दोशी,रानी दोशी,चंदा दोशी,किरण दोशी, शिल्पा राहुल दोशी,योगेश पंचोली इंदौर,संगीता अजय पंचोली झाबुआ, नीता नीना जैन सेगाव को प्राप्त हुआ। भगवान के प्रथम अभिषेक सुरेश चंद काला बड़वानी और द्वितीय कलश महेंद्र बड़जातिया इंदौर परिवार ने किया और भगवान का निर्वाण लाडू चढ़ाने का सौभाग्य अशोक रानी दोशी इंदौर,बाकनेर परिवार को प्राप्त हुआ ,भगवान की महा शांतिधारा को की पूरे विश्व के शांति के लिए करने का सौभाग्य उद्योगपति और कार्याध्यक्ष शिखर चंद पाटनी परिवार अंजड़ को प्राप्त हुआ ।उसके बाद सभी श्रावको का भोजन हुआ दोपहर को सामायिक पश्चात माताजी के संघ की आहारचर्या हुई, उसके बाद दोपहर में आर्यिका रत्न विज्ञान मति जी माताजी द्वारा रचित श्री 1008 गणधर वलय विधान किया गया जिसमे कई लोग शामिल हुए शाम को गुरु भक्ति और आरती संपन्न हुई कार्यक्रम में इंदौर, निमाड़, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश के पूरे क्षेत्र से बड़ीसंख्या में श्रावक और श्राविका उपस्थित थे । ट्रस्ट कमेटी और मेला संयोजको ने सभी का आभार और धन्यवाद ज्ञापित किया ।

अन्नपूर्णा संस्था का 105वां नेत्र शिविर संपन्न

नि:शुल्क ऑपरेशन हेतु दाहोद भेजा, वनवासी क्षेत्र के लिए 2 कंप्यूटर सिस्टम देने की घोषणा

दीपक प्रधान. शाबाश इंडिया

धामनोद। मां अन्नपूर्णा रोगी सेवा एवं पारमार्थिक संस्था द्वारा दृष्टि नेत्रालय दाहोद के तकनीकी सहयोग से 105 वा नेत्र शिविर संम्पन्न हुआ ।जिसमे 32 मरीजों की जॉच कर 20 को चयनित कर निशुल्क ऑपरेशन, दवाई, चश्मे हेतु भोजन पेकेट के साथ ससम्मान बस में बैठकर दाहोद के लिए रवाना किया गया। आयोजन के मुख्य अतिथि एवं लाभार्थी मुकेश जैन, वंदना जैन, विशिष्ट अतिथि आयुष जैन, अंशु जैन रहे । अतिथियों, रोगियों द्वारा दीप प्रज्वलन पश्चात अतिथियों का मोती माला, दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया व स्मृति चिन्ह प्रदान दिए गए। मुख्य अतिथि द्वारा मरीजों को फल वितरण किया गया साथ ही अपने पुत्र स्व. आशीष जैन की स्मृति में उनके जन्मदिन 19 फरवरी को मरीजों के भोजन की घोषणा की गई। वही आयुष जैन ने भी अपने स्वर्गीय भाई आशीष की स्मृति में वनवासी क्षेत्र में संस्था के माध्यम से दो कंप्यूटर सिस्टम शैक्षणिक उपयोग हेतु दान देने की घोषणा की गई। शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा रोगियों के ब्लड शुगर, ब्लडप्रेशर व सिकल सेल एनीमिया की जॉच की गई। इस अवसर पर सुनील जैन, अनिल जैन, कोषाध्यक्ष पुरषोत्तम खंडेलवाल, पुष्परंजन बर्वे, शशि श्रीवास्तव, अनिल कुशवाह, कविता तोमर, प्रभु स्वामी, मीनाक्षी पटेल, संजू वास्केल, अशोक तोमर, निशा राठौड़, आरती यादव एवं अनेक सेवादार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन संस्था अध्यक्ष दीपक प्रधान ने किया व आभार डॉ राहुल कुशवाह ने माना। यह जानकारी विजय नामदेव ने दी ।

श्री दिगम्बर जैन मंदिर मोहनवाडी जयपुर में त्रिवर्षीय महामस्तकाभिषेक एवं मानस्तम्भ पूजा समारोह का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। रविवार दिनांक 11 फरवरी 2024 को मोहनबाडी जयपुर स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर के मानस्तम्भ का त्रिबर्षीय महामस्तकाभिषेक एवं मानस्तम्भ पूजन का भव्य मांगलिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंदिर प्रबन्धकारिणी समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र बिलाला ने बताया कि मानस्तम्भ के ऊपर पूर्व दिशा के बिम्ब अभिषेक का सौभाग्य श्रेष्ठी कपूरचंद नेमकुमार कसेरा परिवार, दक्षिण दिशा मे पं प्रद्युम्न कुमार वेदांत परिवार, पश्चिम दिशा मे श्रीमती मनोरमा, सुनील कुमार, पारस पाटनी परिवार, उत्तर दिशा मे रत्नाकर अषिषेक बड़जात्या परिवार को प्राप्त हुआ। प्रबन्धसमिति के मानद् मंत्री नरेन्द्र बाकलीवाल के बताया कि मानस्तम्भ के नीचे कटनी पर विराजमान पूर्व दिशा के बिम्ब अषिषेक का सौभाग्य श्रेष्ठी कपूर चंद नेमकुमार पारस कसेरा परिवार दक्षिण दिशा मे श्रीमती रानी अनीस लुहाडिया परिवार पश्चिम दिशा मे श्रीमती सुमन सौरभ झांझरी परिवार उत्तर दिशा मे अशोक कुमार प्रफुल्ल बिलाला परिवार को प्राप्त हुआ। जिनेन्द्र प्रभू के 108 रिद्धि मंत्रो से अभिषेक का सौभाग्य श्रेष्ठी चांदमल जिनेन्द्र कुमार बाकलीवाल परिवार को प्राप्त हुआ। मानस्तम्भ कटनी पर शान्तिधारा का सौभाग्य श्रेष्ठी अशोक कुमार अजय विनय कुमार पुलकित बिलाला परिवार को एवं ऊपर शान्तिधारा का सौभाग्य श्रेष्ठी मुकेश कुमार परिवार को प्राप्त हुआ। इसके पश्चात सामूहिक मानस्तम्भ पूजन का भव्य आयोजन किया गया। विधि विधान का सम्पूर्ण कार्यक्रम नरेन्द्र बाकलीवाल एवं पं प्रद्युम्न कुमार शास्त्री के कुशल निर्देशन मे सम्पन्न किया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रम के पश्चात सम्पूर्ण समाज का सामूहिक वात्सल्य भोज का आयोजन रखा गया। **रिपोर्ट : पं प्रद्युम्न कुमार जैन शास्त्री**

शिक्षा व साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए डॉ.कांता मीना का हुआ बहुमान

बीकानेर. शाबाश इंडिया। शिक्षाविद् एवं साहित्यकार डॉ.कांता मीना द्वारा शिक्षा व साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए अखिल आदिवासी मीणा महासभा द्वारा म्यूजियम सर्किल के पास टाऊन हॉल में आदिवासी स्नेह मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त आरएएस जगमोहन मीना जयपुर ,विशिष्ट अतिथि अधिक्षण अभियंता (जिला वृत्त) विद्युत राजेंद्र सिंह मीना, पूर्व तहसीलदार मदनलाल मीणा,भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष महेश मीणा,महासभा के प्रदेश संयोजक मोहर सिंह सलावद, जिलाध्यक्ष मनोज कुमार मीना ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया। डॉ.मीना की दो पुस्तकें कहानी संग्रह तरुशिखा व कविता संग्रह कैलाशी प्रकाशित हों चुकी है। इस अवसर पर डॉ.मीना ने सेवानिवृत्त आरएएस जगमोहन मीना व भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष महेश मीणा को अपनी दोनों पुस्तकें भेंट की।

बैणेश्वर धाम महंत से भेंट कर महावीर इंटरनेशनल की गतिविधियों की जानकारी दी

बैणेश्वर धाम, बांसवाड़ा. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया ने बैणेश्वर धाम के महंत अच्युतानंद जी महाराज से भेंट कर विगत 36 वर्षो से बांसवाड़ा डुंगरपुर जनजाति क्षैत्र में पीड़ित मानवता सेवा कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। कोठिया ने महावीर प्रवाह एवम मुनि दर्पण निशुल्क मासिक पत्रिका पर भी महंत जी से सूचनाएं शेयर की। महंत ने कोठिया को बेणेश्वर मेले का आमंत्रण देकर पीड़ित मानवता सेवा कार्यों को निर्बाध रूप से जारी रखने आशीर्वाद दिया। इस मौके पर महावीर इंटरनेशनल परिवार डडूका एवम गढ़ी परतापुर के राजेंद्र कोठिया, निशा कोठिया,कुसुम कोठिया, अनिंका, प्रतिनव एवम जैनी कोठिया सम्मिलित थे। महावीर इंटरनेशनल की ओर से महंत अच्युतानंद जी महाराज को भारत की राष्ट्रपति महामहिम द्रौपदी जी मुर्मु के रूप में प्रथम बार देश के राष्ट्रपति के 14 फरवरी को बेणेश्वर आगमन कार्यक्रम के लिए हार्दिक शुभकामनाए दी ।

विशाल रक्तदान शिविर, वृद्धजन सम्मान समारोह, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

विशाल रक्तदान शिविर, वृद्धजन सम्मान समारोह, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, निः शुल्क आँखो की जॉच एवं निः शुल्क चश्मा वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 243 यूनिट ब्लड़ एकत्रित किया, 395 लोगो को निःशुल्क चश्मा, 820 लोगो ने लिया चिकित्सा परामर्श, 97 वृद्धजनो को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया । जेके फाउण्डेशन की ओर से संस्था अध्यक्ष विनोद टाटीवाल के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में विशाल रक्तदान शिविर, वृद्धजन सम्मान समारोह, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, निः शुल्क आँखो की जॉच एवं निः शुल्क चश्मा वितरण शिविर का 11 फरवरी 2024 को प्रातः 8 बजे से महात्मा ज्योतिबा फुले सी.सै. स्कूल, रेलवे स्टेशन के सामने, सांगानेर, जयपुर में आयोजन किया। शिविर में मुख्य अथिति रामचरण बोहरा सांसद जयपुर शहर, विशिष्ट अथिति अनिल गोठवाल पूर्व अति. पुलिस अधीक्षक, राकेश कुमार बैरवा अति. पुलिस अधीक्षक हिंडौन सिटी, ममता नागर टोंक नगर परिषद आयुक्त, माधोराजपुरा प्रधान अभिषेक गोठवाल, डॉ. सुनील गोठवाल सहायक आचार्य एस.एम.एस. अस्पताल जयपुर, रामानंद गुर्जर पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा, राजेश अहुलवालिया भाजपा प्रभारी सांगानेर, भाजपा मण्ड़ल अध्यक्ष ओमप्रकाश शर्मा, पार्षद गिर्राज शर्मा, संस्था संरक्षक हेमराज टाटीवाल, वी.डी. बैरवा, छोटूराम गुर्जर, भंवर लाल बैरवा, व. उपाध्यक्ष कैलाश चन्द, उपाध्यक्ष विकास कुमार बैरवा, कोशाध्यक्ष रमेश चन्द, सचिव सुमन कुमारी, सुरेन्द्र वर्मा, सुनील नागरवाल, दिलीप सिह, दीपक शर्मा, धन कुमार जैन, अनिल कुमावत, शुभम सैनी, वासुदेव खण्ड़ेलवाल, विजय मीणा, एडवोकेट खेमचन्द शर्मा, एडवोकेट तेजकान्त नागरवाल, पंकज राजवंशी, गोविन्द दसलानियां, पवन परीड़वाल, सचिन गजरावत, कन्हैया लाल, गोपाल चौधरी, कमला देवी, विमला देवी, विमला बैरवा, सन्तोश देवी सहित हजारो लोग उपस्थित रहे। रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र व हेलमेट देकर सम्मानित किया गया। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवाएं इटर्नल अस्पताल सांगानेर द्वारा दी गई।

देवताओं को प्याज और लहसुन का भोग क्यों नही लगाया जाता?

क्यों प्याज और लहसुन को शाकाहार नही माना जाता? क्या यह राक्षसी भोजन है?

इस संबंध में एक धार्मिक कहानी है, बात समुद्र मंथन के समय की है। समुद्र मंथन से जब अमृत निकला तो अमृत पीने के लिए देवताओं व राक्षसों में छीना-झपटी होने लगी। तब मोहिनी रूप धर भगवान विष्णु ने देवताओं को अमृतपान कराने के उद्देश्य से राक्षसों को भ्रमित कर अमृत बांटना शुरू कर दिया। राहु नामक एक राक्षस को मोहिनी पर जब संदेह हुआ तो वह चुपके देवताओं की पंक्ति में भेष बदल कर बैठ गया। अमृत बांटते बांटते मोहिनी के रूप में भगवान विष्णु भी उस राक्षस को नही पहिचान पाये और उसे भी अमृत दे दिया। परंतु तत्काल सूर्य और चंद्र के पहचानने पर भगवान विष्णु ने सुदर्शन चक्र से उस राक्षस का सिर धड़ से अलग कर दिया। सिर कटते ही अमृत की कुछ बूंदें उस राक्षस के मुंह से रक्त के साथ नीचे जमीन में गिरी, जिनसे प्याज और लहसुन की उत्पत्ति हुई। अमृत से पैदा होने के कारण प्याज और लहसुन रोगनाशक व जीवन दायनी है। परंतु राक्षसी रक्त के मिश्रण के कारण इसमें राक्षसी गुणों का समावेश हो गया है। इनके सेवन से शरीर राक्षसों की तरह बलिष्ठ होता है। ये उत्तेजना, क्रोध, हिंसा अशांति व पाप में वृद्धि करते है। इसलिए इसे राक्षसी भोजन माना गया है। रोगनाशक व जीवनदायिनी होने के बाद भी यह पाप को बढ़ाता है और बुद्धि को भ्रष्ट कर अशांति को जन्म देता है। इसलिए प्याज और लहसुन को अपवित्र मान कर इनका धार्मिक कार्यों में प्रयोग वर्जित है तथा देवी-देवताओं को इनका भोग नही लगाया जाता।

डा. पीयूष त्रिवेदी आयुर्वेद चिकित्सा प्रभारी राजस्थान विधान सभा जयपुर।

जयपुर में होगा 18 से 24 फरवरी तक साप्ताहिक अभूतपूर्व धर्मोत्सव पर्व

अखिल भारतीय संत सम्मेलन में आयेंगे देश विदेश के संत...

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पावन धाम सेवा समिति श्री धर्म फाउंडेशन ट्रस्ट एवं माहेश्वरी समाज जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में जवाहर नगर स्थित माहेश्वरी पब्लिक स्कूल के तक्षशिला सभागार में साप्ताहिक धर्मोत्सव पर्व का आयोजन 18 फरवरी से 11 बजे किया जा रहा है। श्री पंच खंड पीठाधीश्वर के आचार्य स्वामी सोमेन्द्र महाराज एवं श्री धर्म फाउंडेशन के अध्यक्ष सुधीर जैन गोधा ने बताया कि श्री पंचखंड पीठ के निवर्तमान पीठाधीस ब्रह्मलीन राष्ट्रसंत आचार्य स्वामी धर्मेन्द्र महाराज की स्मृति में श्री पंचखंड पीठ के द्वारा एक साप्ताहिक धर्मोत्सव पर्व 18 फरवरी से 24 फरवरी तक आयोजित किया जायेगा। इस संत सम्मेलन में देश एवं विदेश से अनेक संत महात्मा भाग लेगें। जिनमें श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविन्द गिरी, ट्रस्ट के अध्यक्ष नृत्य गोपाल दास के उत्तराधिकारी कमलनयन दास, पदम श्री ब्रह्मेशानंद महाराज, अमरकंटक के महामंडलेश्वर हरिध्यनन्द महाराज, हरिद्वार के स्वामी रविंद्र मुनि महाराज, वृंदावन के श्री राधे राधे बाबा, वलसाड गुजरात के रामदास महाराज, कैलिफोर्निया अमेरिका से स्वामी स्वायत्तानंद महाराज, स्पेन से नरेंद्र नंद महाराज, पुणे से कालीचरण महाराज, गुजरात से जनार्दन महाराज, अखिल भारतीय संत समिति के अध्यक्ष महाराज एवं विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार सहित अनेक पीठों के आचार्य एवं संतों को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है।

स्मृति में अखिल भारतीय राष्ट्र गौरव सम्मान अलंकरण एक राष्ट्रीय संत को करेंगे प्रदान...

सनातन धर्म की आध्यात्मिक परम्परा में श्री पंचखण्डपीठ पावन धाम विराट नगर का पिछले 400 वर्षों का महत्वपूर्ण एवं विशिष्ट स्थान है। श्री पंचखण्ड पीठाधीश्वर आचार्य स्वामी श्री सोमेन्द्र महाराज के सानिध्य में आयोजित इस संत सम्मेलन में अनेक सम सामयिक विषयों पर चर्चा होगी। संत सम्मेलन में पधार रहे संतो ने इस बात पर चिन्ता प्रकट की है कि वैश्विक स्तर पर सनातन धर्म पर आक्रमकता का रूख अपनाया जा रहा है, इसलिए विश्व के सभी सनातनियों को एकजुटता के साथ अपनी विरासत, परम्पराओं और संस्कृति की रक्षा करते हुए सनातन का व्यापक प्रचार प्रसार करना हैं। संत सम्मेलन में काशी विश्वनाथ मंदिर और मथुरा स्थित श्री कृष्ण जन्म स्थान मंदिर को लेकर व्यापक विचार विमर्श किया जायेगा। संत सम्मेलन में गौरक्षा एवं गौसेवा पर भी विचार पारित किया जायेगा। यह सर्व विदित है कि ब्रह्मलीन राष्ट्रसंत आचार्य स्वामी श्री धर्मेन्द्र जी महाराज का सनातन धर्म के उन्नयन, रक्षण एवं गौरक्षा आंदोलन के साथ ही श्री रामजन्म भूमि मुक्ति आंदोलन में सर्वाधिक एवं अतिविशिष्ट योगदान रहा है, उनकी स्मृति में एक अखिल भारतीय राष्ट्र गौरव सम्मान अलंकरण प्रत्येक वर्ष एक राष्ट्रीय संत को प्रदान किया जायेगा। इस वर्ष रविवार 18 फरवरी 2024 को यह सम्मान गोवा के श्रीदत्त पद्मनाभ पीठ के पीठाधीश्वर पूज्य संत पदमश्री स्वामी श्री ब्रह्मेशानन्द जी को प्रदान किया जायेगा। सम्मेलन के उपरान्त दिनांक 19 फरवरी से 24 फरवरी तक के सभी कार्यक्रम श्री पंचखण्ड पीठ पावन धाम आश्रम विराटनगर मे आयोजीत होगे। संवाददाता सम्मेलन में आयोजन समिति के संरक्षक महामण्डलेश्वर पूज्य मनोहरदास जी महाराज, पूज्य मंहत श्री रामदास जी महाराज (अयोध्या धाम), पूज्य मंहत श्री विष्णुदास जी महाराज (अयोध्या धाम) एवं श्री धर्म फाउएडेशन ट्रस्ट के पदाधिकारी अध्यक्ष सुधिर जैन गोधा, महासचिव गब्बर कटारा, सीईओ एम.एल. सोनी, प्रशासनिक सलाहकार पूर्व डीजीपी मनोज भट्ट, विशेष सलाहकार राजीव खन्ना, प्रशासनिक समन्वयक पंकज ओझा, धार्मिक सलाहकार डॉ अमित व्यास, राजेंद्र भट्ट एवं पावनधाम सेवा समिति के पदाधिकारी उपाध्यक्ष निर्मल जैन सोगानी, श्री गोपाल मालपानी एवं कोषाध्यक्ष रामवतार जैन आदि उपस्थित थे।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी के प्रवचन से...

जीने के लिये महत्वपूर्ण सूत्रः-

1. अपनी प्रतिभा को समझो,
2. इच्छाओं पर कन्ट्रोल करो,
3. मन की शान्ति और चेहरे की प्रसन्नता से समझौता मत करो।

- जो खुद पर ध्यान देता है, दुनिया उस पर ध्यान देती है।
- जो कम से कम बोलता है, लोग उसको सुनना पसंद करते हैं।
- जो दूसरों को नालायक समझता है, वो कभी लायक नहीं बन पाता।
- जो दूसरों को मूर्ख समझता है, वो सबसे बड़ा मूर्ख है।
- सुख, शान्ति से जीने के हजारों मार्ग है, पर पड़ोसी से ज्यादा सुखी होने का कोई मार्ग नहीं है।
- बुद्धिमान वह नहीं जो अधिक पढ़ा-लिखा ज्ञानी हो। बुद्धिमान तो वह है जो कब, किससे, कहाँ, क्या, और कैसे बात करना है, इस कला में निपुण है, वही इंसान समझदार है।
- स्वयं को सुधारने में इतने मस्त हो जाओ कि पड़ोसी, क्या कर रहा है और क्या बोल रहा है, इसकी भी सुध ना रहे।
- वो भी क्या वक्त था, जब किसी को स्टेशन छोड़ने जाते थे, तो आँख नम हो जाती थी। अब तो शमशान में भी नही भीगती।
- जन्म और मृत्यु, अब महंगे हो गये हैं। सिजेरियन के बिना कोई आता नहीं और वेन्टीलेटर के बिना कोई जाता नहीं।
- कैसे हो पायेगी, अच्छे और बुरे इंसान की पहचान। अब दोनों ही नकली हो गये हैं, आंसू और मुस्कान।
- लोगों को सफाई देने में, अपना कीमती वक्त बर्बाद मत करो। क्योंकि लोग तो वही सुनते हैं, जो उन्हे सुनना है...। **नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

स्मृति शेषः ख्यात कलाकार ए.रामचंद्रन को श्रद्धांजलि

उदयपुर. शाबाश इंडिया

टखमण कला संस्थान पर सोमवार को पद्मभूषण से सम्मानित चित्रकार ए.रामचंद्रन को उनके असाधारण व्यक्तित्व और कृतित्व के लिए याद करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। गौरतलब है कि दो दिन पूर्व ही 89 वर्षीय कलाकार रामचंद्र ने अंतिम सांस ली थी। वे कुछ समय से अस्वस्थ थे। उल्लेखनीय है कि दिल्ली वासी ए. रामचंद्रन का मेवाड़ अंचल से खास रिश्ता था। दरअसल स्थानीय कलाविद् सुरेश शर्मा शांतिनिकेतन में उनके सहपाठी एवं होस्टल फैलो थे। 1964 में उदयपुर विश्वविद्यालय को जब प्रो.सुरेश शर्मा ने जब सेवाएं देनी आरंभ की थी, तब से उनसे मिलने ए.रामचंद्रन यहां आने लग गए थे। अपने चित्रों की आधारभूमि, पूर्व रेखांकन के लिए इन दोनों कलाकारों के साथ एल.एल.वर्मा एवं ललित शर्मा भी अंचल की ग्रामीण संस्कृति एवं भौगोलिक परिदृश्य के साक्षात्कार हेतु भ्रमण करना जो आरंभ हुआ तो वह रामचंद्रन की वृद्धावस्था तक चलता रहा। नाथद्वारा, एकलिंगजी, ईसवाल, बेणेश्वर, नाई, ऊंदरी आदि कई गांवों सहित आदिवासी क्षेत्रों में दिन भर भ्रमण करना ए.रामचंद्रन का जुनून था। इन्हीं आरंभिक रेखांकनों के आधार पर उन्होंने अनगिनत विशाल चित्र और म्यूरल्स बनाए, जिससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त हुई। इस भू-भाग के कई आदिवासियों के पास स्मृति रुप में उनके रेखांकन आदि आज भी मिल जाएंगे। पई गांव में बने एक मंदिर हेतु दिए गए उनके विशेष योगदान को आज भी ग्रामीण याद करते हैं। बता दें, इन कला यात्राओं को स्थानीय चित्रकार ललित शर्मा ने कई छायाचित्रों के रूप में भी संजोया है और इन्हीं के आधार पर कला समीक्षक विनोद भारद्वाज ने एक पुस्तक भी प्रकाशित की है 'ए.रामचंद्रनः चित्रकार ललित शर्मा के कैमरे से' कलाविद् सुरेश शर्मा, एल. एल. वर्मा ने रामचंद्रन के साथ बिताए उन क्षणों को भावपूर्ण तरीके से याद किया। उनके साथ नगर के कई वरिष्ठ और नवोदित कलाकारों ने भी दिवंगत आत्मा को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस दौरान डॉ. विद्यासागर उपाध्याय, चरण शर्मा, ललित शर्मा, हर्ष छाजेड़, सी.पी.चौधरी, रघुनाथ शर्मा, आर.के.शर्मा, छोटूलाल, नसीम अहमद सहित अन्य कई कलाकार उपस्थित थे। **रिपोर्ट:फोटो राकेश शर्मा 'राजदीप'**

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के पोस्टर, फोल्डर, फ्लेक्स व आमंत्रण पत्रिका का हुआ विमोचन

आचार्य सुनील सागर महाराज ने प्रतिष्ठा समिति कामां को दिया आशीर्वाद

कामा. शाबाश इंडिया। धर्मनगरी कामां में आयोजित होने वाले भव्य दिव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के पोस्टर, फोल्डर, फ्लेक्स एवं आमंत्रण पत्रिका का विमोचन कुंदकुंद भारती दिल्ली परिसर में परम पूज्य आचार्य सुनील सागर महाराज के सानिध्य में हुआ। पंचकल्याणक समिति के प्रचार प्रभारी रवि जैन लहसरिया ने बताया की प्रथम गणिनी आर्यिका विजय मति माताजी की जन्मस्थली कामां जिला डीग राजस्थान में आगामी 28 फरवरी से 4 मार्च तक भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन हो रहा है जिसके फ्लेक्स , आमंत्रण पत्रिका आदि का विमोचन कुंदकुंद भारती के पदाधिकारी अनिल जैन नेपाल, जयकुमार जी जैन उपाध्ये, राष्ट्र गौरव डॉक्टर इंदु जैन छतरपुर, शांतिलाल जैन जापान वाले, अजय जैन बडजात्या दिल्ली, नवीन जैन, मयंक जैन लहसरिया, भारत जैन,निखिल जैन बढ़ जाते दौलत जैन एवं महामंत्री संजय जैन बडजात्या द्वारा किया गया। इस अवसर पर आचार्य सुनील सागर महाराज ने कहा धर्म नगरी कामां में अभी से बड़ा उत्साह दिखाई दे रहा है युवाओं में बड़ा ही जोश है। यह उत्साह सृजन करते हुए नवाचार की ओर आगे बढ़े, यही मेरा आशीर्वाद है संपूर्ण जैन समाज कामां को अपना आशीर्वाद प्रदान करते हुए पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव की सफलता सुनिश्चित करने का दायित्व पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति को जिम्मेदारी के साथ उठाना चाहिए।

आर्यिका नंदीश्वरमति माताजी के हिंगोनियां की और बढ़ते कदम

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

भैंसलाना। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम मंडाभीमसिंह में 6 दिवसीय धार्मिक आयोजन धूमधाम से संपन्न कराने के बाद गुरुमां आर्यिका नंदीश्वरमति माताजी का मंगल विहार सोमवार को हिंगोनियाँ की और हुआ। बा.ब्र डॉ करुणा दीदी ने बताया कि आर्यिका नंदीश्वरमति माताजी के सानिध्य में मंडा जैन मंदिर में 3 फरवरी से 8 फरवरी तक 200 वॉ स्थापना दिवस,श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्वशांति महायज्ञ का आयोजन धूमधाम और साआनंद संपन्न होने के बाद सोमवार को गुरुमां का मंडाभीमसिंह से मंगल विहार हिंगोनिया की और हुआ इस दौरान मंडाभीमसिंह, हिंगोनिया, भैंसलाना सहित आसपास के जैन समाजबंधु मौजूद रहे।

पांडुक शिला पर1008 कलशों से तीर्थंकर बालक का जन्माभिषेक

ऋषभदेव, उदयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन भट्टारक यशकिर्ति गुरुकुल मन्दिर में आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ के सान्निध्य में चल रहे पांच दिवसीय चौबीसी जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में सोमवार को जन्म कल्याणक के तहत तीर्थंकर बालक आदि कुमार का जन्मोत्सव मनाया गया। इस मौके पर जन्माभिषेक शोभायात्रा निकाली गई तथा पांडुक शिला पर 1008 कलशों से तीर्थंकर बालक के जन्माभिषेक किए गए, साथ ही हैलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई। मंगलवार को तप कल्याणक मनाया जाएगा। सोमवार को सुबह नित्य अभिषेक के बाद शांतिधारा कि। गर्भ कल्याणक पूजा के बाद शांति हवन हुआ। आचार्य वर्धमान सागर के मंगल प्रवचन हुए।

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में अनुष्ठान और पुष्पवर्षा: गुरुकुल ग्राउण्ड अयोध्या नगरी से रवाना हुई शोभायात्रा। अयोध्या नगरी से तीर्थंकर बालक के जन्माभिषेक की शोभायात्रा रवाना हुई। जैन ध्वज के बाद घोड़ों पर जैन ध्वजा को युवक लहराते हुए थे। बैंड की धुनों ने माहौल को भक्तिरस से भर दिया। जुलूस पर सौधर्म इन्द्र मिलाप भाई कोठारी परिवार ने हैलीकॉप्टर से पाण्डुक शिला पर पुष्पवर्षा की। शोभायात्रा पांडुक शिला पर पहुंचने पर इन्द्र-इन्द्राणी द्वारा जयकारों के बीच सौधर्म इन्द्र मिलाप कोठरी के सपरिवार अभिषेक करने के बाद पुण्यार्जक रूपादेवी मनोज दोषी परिवार वालों की ओर से स्वर्ण रजत कलश से तथा 1008 कलशों से तीर्थंकर बालक के जन्माभिषेक किए गए।। दोपहर में प्रतिष्ठाचार्य पं. हसमुख शास्त्री एवं प्रतिष्ठाचार्य सुधीर मार्तण्ड के निर्देशन में तीर्थंकर बालक के संस्कार हुए। इससे पूर्व गणमान्य श्रेष्ठिजनो व पुण्यार्जकों का प्रशस्ति भेंट कर सम्मानित किया गया।

संचित पुण्यों से मिलता तीर्थंकररूपी कर्म का फल : आचार्यश्री- वात्सल्य वारिधि व राष्ट्र गौरव आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने कहा कि आत्मा कई भव में भ्रमण करती है तब पूर्व वर्षों के संचित पुण्य से तीर्थंकर नाम कर्म का फल मिलता है। तीर्थंकर बालक के जन्म के 6 माह पहले से 14 करोड़ रत्न प्रतिदिन की वृष्टि होती है तीर्थंकर बालक के जन्म के 6 माह पहले और जन्म के 9 माह बाद अर्थात 15 माह तक कुबेर द्वारा रत्नों की वृष्टि की जाती है। तीर्थंकर भगवान द्वारा रतन त्रय धर्म की वृष्टि की जाती है एवं देवताओं द्वारा रत्नों की वृष्टि की जाती है ।जब तीर्थंकर बालक का जन्म होता है। **तप कल्याणक की क्रियाएं आज:** सोमवार को तप कल्याणक मनाया जाएगा। सुबह आचार्य श्री मंगल प्रवचन होंगे। महाराजा नाभिराय का दरबार, वैवाहिक संस्कार-बरात, राजतिलक, ब्राही सुंदरी को शिक्षा, नीलांजना नृत्य, भरत बाहुबली को राजतिलक, वैराग्य उत्पन्न, वन गमन के बाद दीक्षा संस्कार होंगे।

जिनालय का चौबीसवां स्थापना दिवस मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रतापनगर के सैक्टर 5 स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर का 24वाँ स्थापना दिवस हर्ष उल्लास से मनाया गया। अध्यक्ष जिनेन्द्र जैन ने बताया कि प्रातः श्री जी के अभिषेक, शांतिधारा की गयी जिसमें महावीर प्रसाद सेठी को प्रथम अभिषेक व शांतिधारा का सौभाग्य प्राप्त हुआ। समाजश्रेष्ठी सुकुमाल जैन द्वारा ध्वजारोहण किया गया। मूलनायक भगवान महावीर स्वामी के लिए अशोक वृक्ष की स्थापना चौधरी सुनील जैन द्वारा की गयी। इस मौके पर भक्तामर विधान पूजा का आयोजन किया गया जिसमें सौधर्म इंद्र पवन जैन निवाई वालों के नेतृत्व में अष्ट द्रव्य के अर्घ्य चढाये गये। शाम को विद्यासागर पाठशाला का वार्षिकोत्सव मनाया गया जिसमें छात्रों व शिक्षकों का सम्मान किया गया। इस मौके पर अशोक पाण्ड्या व उनकी टीम द्वारा भजन प्रस्तुत किये गये जिसका सभी भक्तजनों ने आनंद लिया। मंत्री प्रमोद जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

ब्यावर ज़िला पत्रकार संघ का गठन

वरीष्ठ पत्रकार विष्णुदत्त धीमान बने जिले के प्रथम अध्यक्ष

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। नवगठित ब्यावर जिला बनने के बाद ब्यावर जिला पत्रकार संघ का गठन किया गया । विनोदनगर स्थित मसाला चौक मे आयोजित सम्मेलन मे नवगठित जिले के जगह जगह से पत्रकारो ने शिरकत की । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरीष्ठ पत्रकार प्रमोद वाजपेयी रामप्रसाद कुमावत प्रेमदत्त मिश्रा प्रकाश गर्ग कमल मारोठिया विजेन्द्र प्रजापति थे । कार्यक्रम मे विधानसभा प्रत्याशी रहे पारस पंच ने अतिविशिष्ट अतिथि के रूप मे शिरकत की । सम्मेलन के प्रारम्भ मे विजेन्द्र प्रजापति ने संघ के जिलाध्यक्ष के लिए विष्णुदत्त धीमान के नाम का प्रस्ताव प्रस्तुत किया जिसे उपस्थित सदन ने ध्वनिमत से अनूमोदना समर्थन किया । कार्यक्रम में अतिथियों का माला साफा ओर शाल ओढ़ाकर कर स्वागत किया गया । ज़िलाध्यक्ष विष्णुदत्त धीमान को कार्यकारिणी गठन का भी अधिकार दिया गया । इस अवसर पर फि ल्म अभिनेत्री इशिका जैन की बेब सिरीज फि ल्म रपट के पोस्टर का भी विमोचन किया गया।

श्री सपन - श्रीमती रजनी छाबड़ा

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के कार्यकारिणी सदस्य

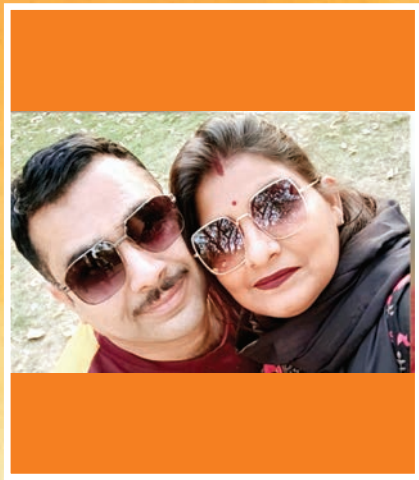

13 फरवरी' 24

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या

संस्थापक अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका

सचिव: राजेश - रानी पाटनी

कोषाध्यक्ष: दिलीप - प्रमिला जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर